समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 24 August 2026

दीपावली 2025: पीएम मोदी का देशवासियों के नाम संदेश – 'प्रकाश का पर्व सभी के जीवन मे खुशहाली और सौहार्द लाए'

Publisher

Published on 20 Oct 2025

पूरे देश में आज रोशनी और खुशियों का त्योहार दीपावली (Diwali 2025) हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। दीपों की लौ से जगमगाते घरों और सड़कों के बीच आज देश एकता, प्रेम और उल्लास का प्रतीक बन गया है। इस शुभ अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को दीवाली की हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं और एक प्रेरणादायक संदेश साझा किया है।

पीएम मोदी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा —

"प्रकाश का यह पावन पर्व हर किसी के जीवन को सुख, समृद्धि और सौहार्द से आलोकित करे। आप सभी को दीपावली की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।"

उन्होंने आगे कहा कि यह पर्व न केवल अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक है, बल्कि यह हमें एकजुटता, करुणा और सकारात्मकता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा भी देता है।

मोदी का दीपावली संदेश : देश मे एंकता, प्रेम और शांति का संदेश

प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि दीपावली हमें सिखाती है कि जैसे दीपक का प्रकाश अंधकार को मिटा देता है, वैसे ही हमें भी अपने जीवन में नकारात्मकता और मतभेदों को दूर कर आशा और सद्भावना का दीप जलाना चाहिए।

उन्होंने लिखा,

"दीपावली का यह पर्व हमें यह याद दिलाता है कि जब हम सब एक साथ मिलकर उजाला फैलाते हैं, तो समाज और देश दोनों ही प्रगति के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ते हैं।"

पीएम मोदी ने देशवासियों से आग्रह किया कि इस पावन अवसर पर हमें गरीबों, वंचितों और जरूरतमंदों की मदद के लिए भी हाथ बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सच्ची दीपावली वही है जब हम किसी के जीवन में खुशियों का दीप जलाएं।

सीमा पर तैनात जवानों को भी दी शुभकामनाएं

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संदेश में देश की सुरक्षा में लगे सैनिकों और जवानों को भी विशेष रूप से याद किया। उन्होंने कहा कि जब हम घरों में दीप जला रहे हैं, तब हमारी सीमाओं पर देश के रक्षक दिन-रात डटे हुए हैं ताकि हम सुरक्षित रह सकें।

पीएम ने लिखा —

“इस दीपावली, हम अपने वीर जवानों के प्रति आभार व्यक्त करें, जो अपने परिवार से दूर रहकर मातृभूमि की रक्षा कर रहे हैं। उनके समर्पण से ही हमारा देश सुरक्षित और गौरवान्वित है।”

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी हर साल दिवाली के मौके पर सीमा क्षेत्रों में जवानों के साथ त्योहार मनाने की परंपरा निभाते रहे हैं। उम्मीद की जा रही है कि इस बार भी वे किसी सीमा चौकी पर सैनिकों के साथ दीपावली मनाने जा सकते हैं।

‘वोकल फॉर लोकल’ का भी दिया संदेश

अपने संबोधन में पीएम मोदी ने ‘वोकल फॉर लोकल’ (स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने) की अपील भी दोहराई। उन्होंने कहा कि दिवाली पर जब हम खरीदारी करते हैं, तो स्थानीय कारीगरों, शिल्पकारों और छोटे व्यापारियों का समर्थन करें।

उन्होंने कहा,

“जब हम देशी उत्पाद खरीदते हैं, तो न केवल अपने घर में रोशनी करते हैं बल्कि लाखों परिवारों के जीवन में भी उजाला भरते हैं। यह दीपावली ‘लोकल फॉर वोकल’ को अपनाने की दिशा में एक और बड़ा कदम बने।”

देशभर मे उंत्सव का माहौल

देश के कोने-कोने में आज दीपावली की रौनक देखने को मिल रही है। मंदिरों, बाजारों और घरों में सजावट की गई है। लोगों ने मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर धन, समृद्धि और सौभाग्य की कामना की।

बाजारों में रौनक के बीच मिठाइयों की दुकानों पर भीड़ लगी हुई है, और आतिशबाजी की आवाज़ों से वातावरण उत्सवमय बना हुआ है।

पीएम मोदी का संदेश देशभर मे गूंजा

पीएम मोदी का दीपावली संदेश देशभर में लोगों द्वारा सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा किया गया। ट्विटर (अब X), इंस्टाग्राम और फेसबुक पर #HappyDiwali, #DiwaliWithPMModi और #Diwali2025 जैसे हैशटैग ट्रेंड कर रहे हैं।

कई प्रमुख नेताओं, मंत्रियों और राज्य के मुख्यमंत्रियों ने भी पीएम मोदी के संदेश को आगे बढ़ाते हुए लोगों को शुभकामनाएं दीं।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और विभिन्न राज्यों के राज्यपालों ने भी नागरिकों को दीपावली की मंगलकामनाएं दीं।

आर्थिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण पर्व

दीपावली का पर्व केवल धार्मिक या सांस्कृतिक महत्व का नहीं, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी अहम है। इस दिन व्यापारी वर्ग नया बही-खाता (लेखा वर्ष) शुरू करता है, जिसे चोपड़ा पूजन कहा जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संदेश में व्यापारियों और उद्यमियों को नए वर्ष के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आने वाला वर्ष देश की अर्थव्यवस्था के लिए समृद्धि लेकर आए।

समाज मे प्रेम और एकता का दीप जलाने का संदेश

प्रधानमंत्री ने अपने संदेश के अंत में कहा —

“आइए, इस दीपावली हम सब मिलकर समाज में प्रेम, सद्भावना और एकता का दीप जलाएं। अपने आस-पास सफाई रखें, पर्यावरण का ध्यान रखें और किसी के चेहरे पर मुस्कान लाने का प्रयास करें। यही असली दिवाली का अर्थ है।”

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.